

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून-2009

प्रश्न पत्र-1

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-1 (अष्टकवर्ग)

1. भिन्नाष्टक वर्ग व सर्वाष्टक वर्ग के बारे में आप क्या समझें।
निम्न दी हुई कुण्डली का चंद्रमा एवं बृहस्पति का भिन्नाष्टक बनाएं।
लग्न : वृषभ 29:3, सूर्य : सिंह 29:37, चन्द्रमा : तुला 13:21,
मंगल : सिंह 6:58, बुध : कन्या 5:33, बृहस्पति : कन्या 15:33,
शुक्र : तुला 15:34, शनि (व) : मकर 16:10, राहु : मेष 4:54
जन्म : 14.9.1874, जन्म समय : 23:52 धंटे, जन्म स्थान : पालघाट
2. अ) त्रिकोण शोधन व एकाधिपत्य शोधन का नियम बताएँ।
ब) प्रश्न 1 में दी गई कुण्डली का चंद्र भिन्नाष्टक का त्रिकोण और एकाधिपत्य शोधन करें।
3. उदाहरण सहित टिप्पणी लिखें :-
अ) राशि पिण्ड एवं ग्रह पिण्ड आ) गोचर फलादेश में कक्ष्या का प्रयोग
ग) अष्टकवर्ग पद्धति एवं समयावधि निर्धारण घ) समुदाय अष्टकवर्ग
4. अष्टकवर्ग पद्धति के अंतरगत आर्युदाय की गणना पर अपना विचार प्रस्तुत करें।
5. 19.11.1917 रात को 11:15 पर इलाहाबाद में जन्मे जातक के सर्वाष्टकवर्ग का शुभ बिन्दू निम्न प्रकार है। इसके आधार पर निम्नांकित प्रश्नों का उत्तर दें।

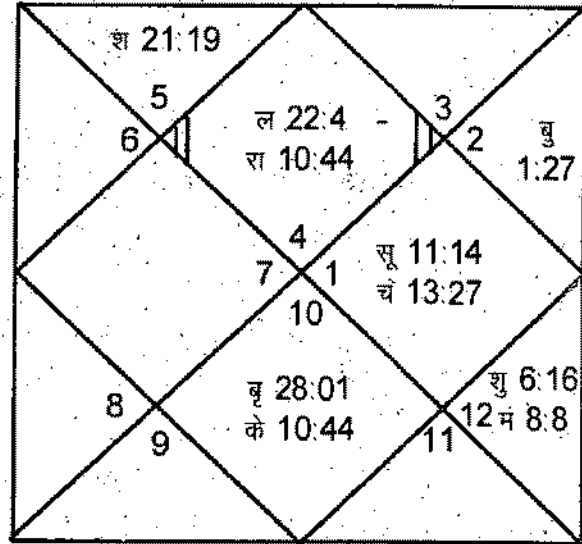
भाव	ग्रह	राशि	बिन्दु
1	लग्न, शनि	कर्क	24
2	मंगल	सिंह	27
3	-	कन्या	36
4	-	तुला	30
5	सूर्य, बुध	वृश्चिक	28
6	शुक्र, राहु	धनु	23
7	चन्द्रमा	मकर	22
8	-	कुंभ	25
9	-	मीन	33
10	-	मेष	33
11	बृहस्पति(व)	वृषभ	32
12	केतु	मिथुन	24

- अ) जातक के जीवन में कौन सा भाग प्रसन्नता एवं समृद्धिशाली होगा? और क्यों?
- ब) कौन सी दिशाओं में जातक को सफलता मिलेगी और क्यों?
- ग) तृतीय भाव के 36 बिन्दू होने का तात्पर्य क्या है?
- घ) जीवन की किस आयु में जातक को अप्रत्याशित धटनाओं का सामना करना पड़ेगा?

भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

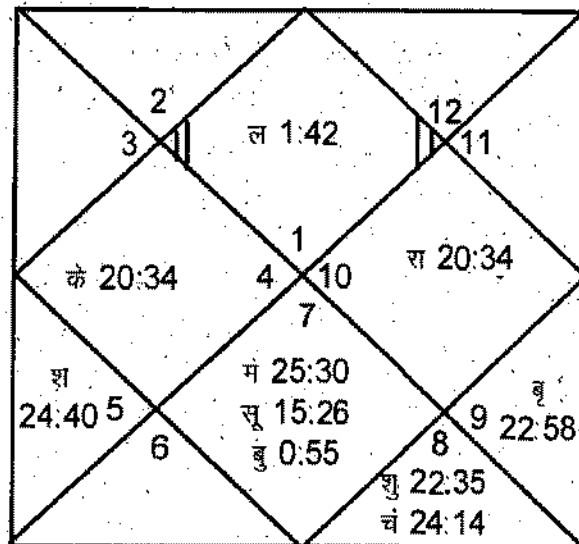
6. 25.4.2009 को 12.56 मिनट में हैदराबाद के एक सज्जन ने अपने बैंक के प्रबन्धक पदोन्नती परीक्षा जो 26.4.2009 होने वाला था उसके बारे में प्रश्न पूछा। उस समय का प्रश्न कुण्डली निम्न प्रकार है।
 अ) क्या जातक परीक्षा में उत्तीर्ण होगा या नहीं?
 आ) स्थानांतरण की संभावना क्या है?

शु 6:16 मं 8:8	सू 11:14 च 13:27	बु 1:27	
			ल 22:4 रा 10:44
बृ 28:01 के 10:44			श 21:19



7. नीचे दी गई प्रश्न कुण्डली जो 1.11.2008, 16.50 धंटे दिल्ली में पूछा गया, के आधार पर प्रश्नों का उत्तर दें :-
 (अ) जातक को क्या शल्य चिकित्सा होगा?
 (आ) क्या डाक्टर की जांच निर्णय सही है?
 (इ) क्या जातक रोग से मुक्त होगा?

	ल 1:42		
			के 20:34
रा 20:34			श 24:40
बृ 22:58	शु 22:35 च 24:14	मं 25:30 सू 15:26 बु 0:55	



8. प्रश्न शास्त्र कहाँ तक सीमित हैं? क्या जन्म कुण्डली तथा प्रश्न कुण्डली में कोई संबंध हैं? विवेचना करें।
 9. प्रश्न शास्त्र में इत्थशाल, ईशराफ और कबूल योगों का प्रयोग पर विस्तृत व्याख्या करें।
 10. निम्नांकित के प्रश्न शास्त्र के किन्हीं पांच योग बतायें।
 (अ) खोई हुई वस्तु मिलेगी या नहीं?
 (आ) विवाह साध्य है या नहीं?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2009

प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य है। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (षडबल)

- निम्न प्रश्नों का उत्तर दें।
 - बुध को बलवान मानने के लिए कम से कम कितने रूप बल चाहिए?
 - कौन से ग्रह का नैसर्गिक बल सबसे कम है?
 - किसी ग्रह का अधिकतम क्रांति ----- होगा।
 - त्रिभाग बल ----- को सदा मिलेगा।
 - कृष्ण पक्ष में कौन-कौन से ग्रहों को अधिक पक्ष बल मिलेगा?
 - अर्ध रात्रि में मंगल का दिवा-रात्रि बल क्या है?
 - एक ग्रह अपने नीच बिन्दू से 90 अंश दूरी पर है। उसका उच्च बल क्या होगा?
 - अगर किन्हीं दो ग्रहों के भोगांश के अंतर एक अंश से कम हो तो उनमें कौन जीतेगा?
 - ग्रहों को कब 45 षष्ट्यंश सप्तजवर्ग में मिलेगा?
 - शनिवार को दिन में जन्मे जातक का तीसरे होराधिपति कौन है?
- निम्नांकित कुण्डली का भाव दिक्बल की गणना करें।
(9.6.1949, 14.10 धंटे, 31उ35:74पू53)
लग्न : कन्या 17:24, सूर्य : वृषभ 25:14, चंद्रमा : वृश्चिक 4:38, मंगल : वृषभ 6:21, बुध(व) : वृषभ 17:02, गुरु(व) : मकर 8:24, शुक्र : मिथुन 9:11, शनि : सिंह 7:27, राहू : मेष 1:17, केतु : तुला 1:17, दशम लग्न : मिथुन 18:8
- प्रश्न 2 में दी गई कुण्डली का उच्च बल की गणना करें।
- प्रश्न 2 में दी गई कुण्डली के लिए केन्द्र एवं द्रेष्कोण बल निकालें।
- षडबल के विभिन्न धटकों को बताते हुए इष्ट-कष्ट फल की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

भाग-II (भाव निर्णय)

- किन्हीं दो पर व्याख्या करें :-
 - अ) "कारकों भाव नाशय" ब)भावात् भावम् स) योग भंग एवं अरिष्ट भंग
- नवांश और दशांश वर्ग निकालते हुए निम्न जातक की व्यावसायिक दृष्टिकोण पर अपना विचार व्यक्त करें।
लग्न : कन्या 21:12, सूर्य : कन्या 26:23, चंद्रमा : मकर 9:52, मंगल : कुम्भ 19:56, बुध:कन्या 8:27, गुरु : सिंह 26:57, शुक्र : सिंह 14:37, शनि : वृश्चिक 6:58, राहू : वृश्चिक 6:35, केतु : वृषभ 6:35
(13.10.1956, 6.00 घंटे, 77पू20:28उ09, सूर्य की भोग्य दशा 0.0.19 दिन)
- पहले भाव का कारकत्व लिखें तथा प्रश्न 7 में दी गई कुण्डली का 'तनु भाव' पर विवेचना करें।
- सप्तम भाव के कारकत्वों पर प्रकाश डालें। मंगल दोष का निर्णय कैसे करेंगे।
- भाव बल का आधार क्या है? आप भाव-निर्णय कैसे करेंगे?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2009

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (आयुर्दाय)

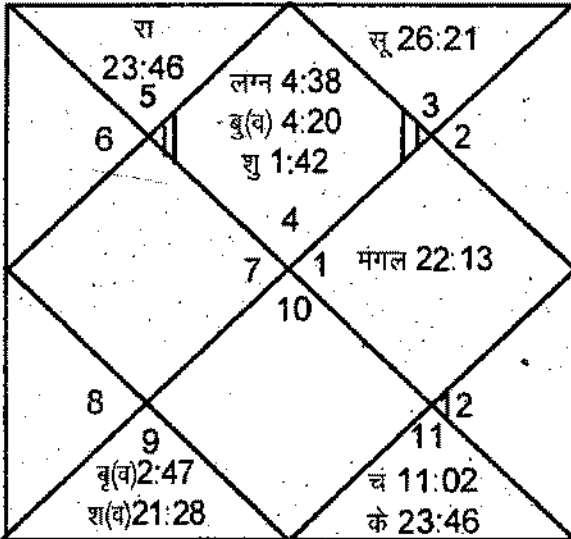
- निम्नलिखित योगों को अल्पायु, मध्यायु एवं पूर्णायु के वर्ग में क्रमबद्ध करें।
 (अ) लग्नेश व अष्टमेश में बली ग्रह फणफर भाव में हो।
 (आ) द्वितीय और द्वादश भाव पाप युक्त हो, शुभ ग्रहों से दृष्ट न हो एवं लग्नेश व अष्टमेश निर्बली हो।
 (इ) लग्नेश एवं अष्टमेश अगर अष्टम भाव में या एकादश भाव में स्थित हो।
 (ई) केन्द्र या त्रिकोण में शुभ ग्रह, बली शनि छठे में एवं पाप ग्रह अष्टम में हो।
 (उ) लग्नेश केन्द्र में, छठे-द्वादश भावों में पाप ग्रह और अष्टमेश सूर्य के मित्र ग्रह हो।
 (ऊ) अष्टम में पापग्रह को और दशमेश उच्च का हो।
 (ए) लग्नेश और अष्टमेश अगर द्वादश भाव में या छठे भाव में हो।
 (ऐ) अष्टम स्थित पापग्रह एक अन्य पापग्रह से दृष्ट हो।
 (ओ) लग्न में पाप ग्रह हो एवं बुध द्वादश भाव में हो।
 (औ) गुरु व शुक्र केन्द्र में हो।

- निम्नांकित जातक की पिण्डायु की गणना करें।

जन्म स्थान : शाहजहापुर, जन्म तिथि : 12.7.60

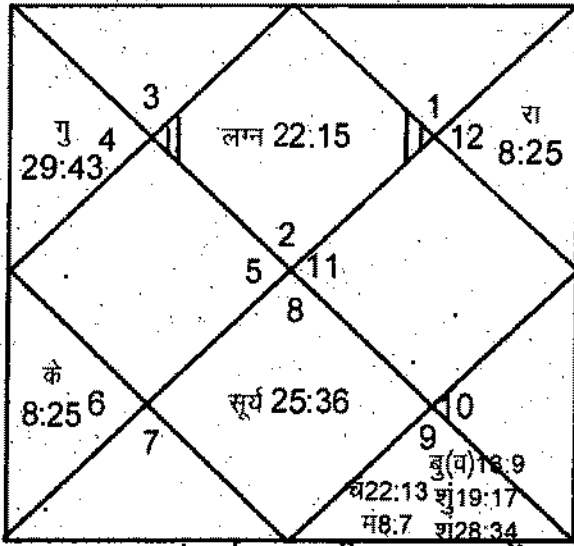
जन्म समय : सुबह 6 बजकर 5 मिनट

राहू की भोग्य दशा : 12 व 1 मा 5 दि



	मंगल 22:13		सू 26:21
च 11:02 के 23:46			लग्न 4:38 बु(व) 4:20 शु 1:42
			रा 23:46
बु(व) 2:47 श(व) 21:28			

- किन्हीं तीन का उदाहरण सहित समझाएं।
 (अ) खर ग्रह (ब) अस्तगत हरण
 (स) मेष, तुला लग्नों के मारक ग्रह (द) बालरिष्ट
- निम्न कुण्डली का अध्ययन करके, विवेचना करे कि यदि आप इस जातक को पूर्णायु के वर्ग में ला सकें।
 जन्म तिथि : 11.12.31, शुक्र की भोग्य दशा : 6 व 8 मा 3 दि



रा 8:25		लग्न 22:15	
			गु 29:43
चं 22:13 मं 8:7 बु(व) 13:9 शु 19:17 श 28:34	सूर्य 25:36		के 8:25

5. "अंशायुदय" की व्याख्या करें तथा यह भी बताएं कब इसको लागू कर सकते हैं?

भाग-II (चिकित्सा ज्योतिष)

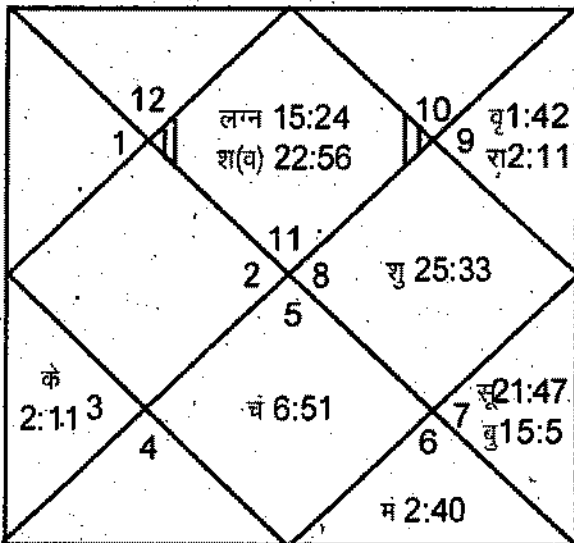
6. निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य?

- (अ) मंगल से मधुमेह रोग होगा।
- (आ) मिर्गी रोग बुध, चन्द्रमा एवं मंगल से होता है।
- (इ) चन्द्रमा से खून का दबाव हो सकता है।
- (ई) लग्न में अस्तगत मंगल अंधापन देगा।
- (उ) बाईसवें द्रष्टाण शुभ है।
- (ऊ) स्वाति नक्षत्र जीभ को दर्शाता है।
- (ए) शुक्र से कैंसर की बीमारी होती है।
- (ऐ) अगर चन्द्रमा व सूर्य क्रमशः बारहवें और द्वितीय भाव में शनि या मंगल से दृष्ट या युक्त हो तो आंखों में विकार होगा।
- (ओ) यदि शुक्र छठे या अष्टम भाव में हो गुह्य स्थान में रोग होना संभव है।
- (औ) अगर अष्टम भाव पाप कर्तरी में हो तो आंखों का विकार होगा।

7. (अ) 2, 5, 8, 11 भाव जन्मलग्न में किन किन अंगों को दर्शाते हैं?

(ब) मंगल, शुक्र एवं शनि ग्रह किन किन रोगों को उत्पन्न करेगा?

8. निम्न जातक को मंगल-शुक्र-शनि की दशा में जनवरी 1982 में हृदय-शल्य चिकित्सा हुई तथा शुक्र-शनि-शनि की दशा जुलाई 1953 में दुर्घटना ग्रस्त हुए। इन घटनाओं का ज्योतिषीय कारण बताएँ। जन्म तिथि : 7.11.1936, केतु की भोग्य दशा 3व4मा26दि



			के 2:11
लग्न 15:24 श(व) 22:56			
			चं 6:51
बृ 1:42 रा 2:11	गु 25:33	सूर्य 21:47 बु 15:5	मं 2:40

9. किन्हीं चार के पांच ज्योतिषीय योग लिखें। (अ) मिर्गी (आ) बवासीर

(इ) गठिया (ई) मधुमेह (ठ) रक्तचाप

10. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :-

(अ) चिकित्सा-ज्योतिष की महत्त्व (आ) रोगोत्पत्ती का समय

(इ) अच्छे स्वास्थ्य के योग

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2009

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखें :-
 - (अ) किसी धटना का समय निर्धारण में विशोत्तरी दशा का प्रयोग आप कैसे करेंगे?
 - (ब) काल निर्णय में प्रत्यन्तर दशा नाथ की भूमिका
 - (स) योगिनी दशा अपने पहले पर्याय (cycle) में दूसरे व तीसरे पर्याय से अच्छा फल देता है - क्या आप इस कथन पर सहमत हैं? व्याख्या करें।
 - (द) फल निर्णय में विविध दशाओं का अध्ययन करना क्या आवश्यक होगा? अगर भिन्न-भिन्न फल-निर्णय हुआ हो तो उसका समाधान कैसे करें?
2. निम्नांकित कुण्डली का अध्ययन करके राहु महादशा में - बुध, केतु और शुक्र की अंतरदशा फलों पर विवेचना करें।

जन्म दिन : 12.6.68 जन्म समय : 20.50 धंटे

जन्म स्थान : दिल्ली, शुक्र की भोग्य महादशा 4व 8मा 3दि

क्र.स.	ग्रह	राशि	अंश	कला
1	लग्न	धनु	20	23
2	सूर्य	वृषभ	28	17
3	चंद्र	धनु	23	33
4	मंगल	मिथुन	00	48
5	बुध (व)	मिथुन	07	10
6	गुरु	सिंह	26	09
7	शुक्र	वृषभ	29	38
8	शनि	मीन	29	38
9	राहु	मीन	22	58
10	केतु	कन्या	22	58

3. निम्नांकित कुण्डली का अध्ययन करें और जातक की नौकरी, विवाह व सन्तान का समय निर्णय करें।

जन्म दिन : 23.12.50, जन्म समय 16.00 धंटे, जन्म स्थान : दिल्ली

मंगल की भोग्य दशा : 5व 1मा 4दि

क्र.स.	ग्रह	राशि	अंश	कला
1	लग्न	वृषभ	17	20
2	सूर्य	धनु	07	51
3	चंद्र	वृषभ	26	58
4	मंगल	मकर	13	08
5	बुध	धनु	25	00
6	गुरु	कुम्भ	09	59
7	शुक्र	धनु	17	26
8	शनि	कन्या	08	50

9	राहू	कुंभ	29	46
10	केतु	सिंह	29	46

4. निम्न धटनाओं का समय निर्णय कैसे करेंगे? समझाएँ
 (अ) शिशु का जन्म
 (ब) मकान का मालिक बनना
 (स) पदोन्नति
5. (अ) प्रश्न 3 में दी गई कुण्डली के लिए योगिनी महा दशा का क्रम लिखें।
 (ब) योगिनी महादशा के पहले पर्याय (Cycle) के अनुसार जातक के कार्य क्षेत्र के बारे में चर्चा करें।

भाग-II (गोचर)

6. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखें।
 (अ) गोचर परिणामों के अध्ययन में चन्द्रमा को क्यों महत्व दिया जाता है?
 (ब) लता का सिद्धान्त
 (स) द्विग्रह गोचर सिद्धान्त
 (द) सप्तशलाका चक्र
7. (अ) साढ़ेसाती क्या है? क्या यह अनुकूल या प्रतिकूल है? व्याख्या करें।
 (ब) प्रश्न 2 में दी गई कुण्डली जातक का साढ़ेसाती के प्रभाव पर प्रकाश डालें।
8. (अ) किसी धटना की समयावधि निर्धारण में गोचर के नियमों का प्रयोग कैसे करते हैं?
 (ब) क्या जन्म कुण्डली के बिना गोचर फलादेश कर सकते हैं? उदाहरण सहित समझाएँ।
9. (अ) शनि की पर्याय फल की व्याख्या करें।
 (ब) मूर्ति निर्णय पर अपना विचार व्यक्त करें।
10. जन्म कुण्डली का मार्गी या वक्र ग्रह का गोचरीय वक्रत्व हो तो उसका फल निर्णय कैसे करेंगे।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2009

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

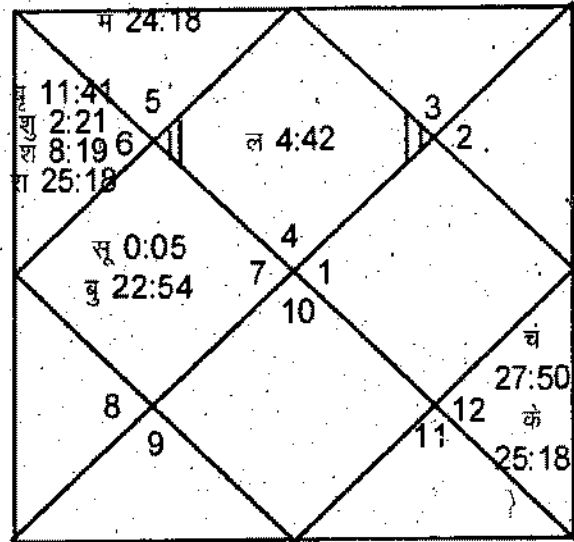
- किन्हीं दो के उत्तर दें :-
अ) जैमिनीय एवं पराशरी कारको के अंतर समझाइए।
ब) जातक के व्यवसाय निर्णय में कारकाश का प्रयोग।
स) जैमिनीय चर दशा और पराशरी विंशोत्तरी दशाओं के अंतर बताएं।
- निम्न महिला जातक की चर दशा की गणना करें और किसी एक प्रश्न का उत्तर दें।
अ) जातिका भारत में है या विदेश में?
ब) जातिका का विवाह हुई हो तो कब संभव है? बताएं।
जन्म तिथि : 6.12.1967 जन्म समय : 02.00 घंटे
जन्म स्थान : चक्रधारपुर, महिला, चन्द्रमा की भोग्य दशा 5.11.14

श(व) 12:15	रा 3:26		
च 15:24 म 9:42			बृ 12:00
	सू 19:37 बु 7:2	शु 4:52 के 3:26	ल 22:06

शु 4:52 के 3:26	बृ 12:00
सू 19:37 बु 7:2	ल 22:06
च 15:24 म 9:42	श(व) 12:15
	रा 3:26

- जैमिनी ज्योतिष के अनुसार दारा कारक, दारा पद एवं उपपद किसी जातक की वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालने में उपयोगी हैं। उदाहरण सहित पुष्टि करें।
- विवेचना करें :-
अ) कारकाश लग्न और उससे पंचम भाव
ब) आरूढ पद एवं धनार्जन
स) जैमिनीय योग
- जैमिनीय सिद्धांतों के आधार पर निम्न जातक की आयुर्दाय निकालें।
जन्म तिथि : 16.10.1921, जन्म समय : 23.53 घंटे,
जन्म स्थान : दिल्ली, पुरुष, बुध की भोग्य दशा : 2 वर्ष 9 मा 4 दि

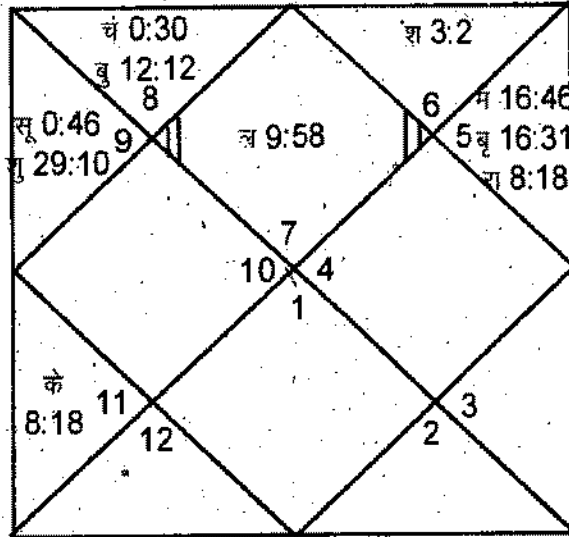
च 27:50 के 25:18			
			ल 4:42
			म 24:18
		सू 0:05 बु 22:54	बृ 11:41 शु 2:21 श 8:19 रा 25:18



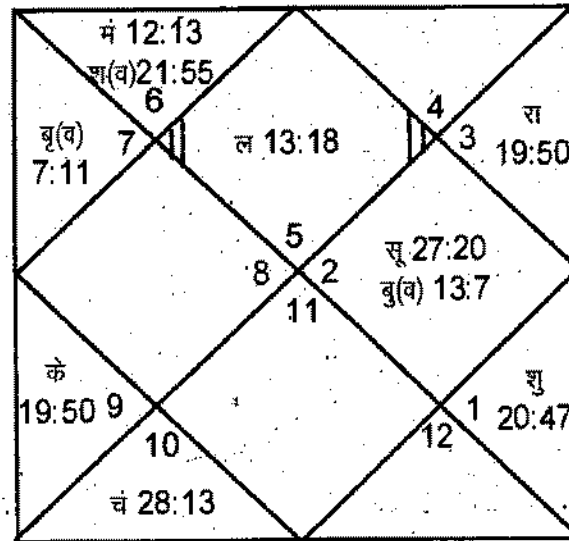
भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. निम्न कुण्डलियों का मेलापक कीजिए :-

के 8:18	पुरुष 17-12-1979 3-15 घंटे दिल्ली गुरु की भोग्य दशा 3व 4मा 26दिन		म 16:46 बृ 16:31 रा 8:18
सू 0:46 शु 29:10	च 0:30 बु 12:12	ल 9:58	श 3:2



	शु 20:47	सू 27:20 बु(व) 13:7	रा 19:50
च 28:13	स्त्री 12-6-1982 11.15 घंटे दिल्ली मंगल की भोग्य दशा 4व 5मा 9दिन		ल 13:18
के 19:50		बृ(व) 7:11	म 12:13 श(व) 21:55



7. किसी जातक की विवाह काल निर्णय कैसे करेंगे? प्रश्न 6 में दी गई जातक-जातिकाओं की विवाह समय निकालें।
8. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
- अ) कुज दोष का अपवाद
- आ) बहु-विवाह योग

- इ) पीडित सप्तम भाव के वैवाहिक जीवन
 ई) सप्तमेश का लग्न या सप्तम भाव में होने का फल
 उ) जातक-जातिकाओं के एक ही जन्म नक्षत्र होने का फल

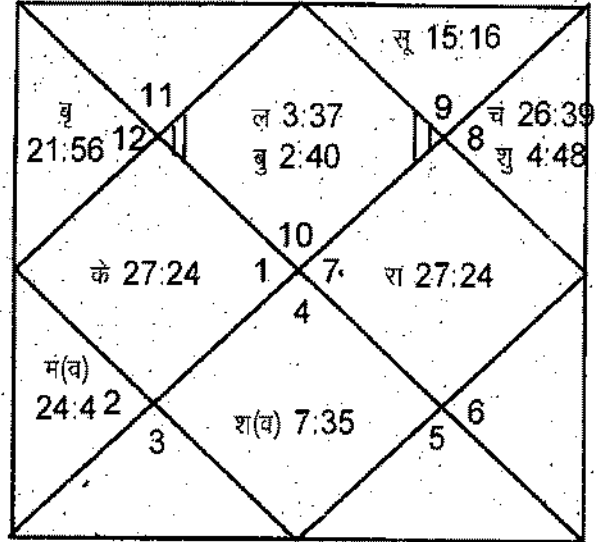
9.

निम्न जातिका की वैवाहिक जीवन पर प्रकाश डालें।

जन्म दिन : 31.12.1975, जन्म समय : प्रातः 8:30

जन्म स्थान : दिल्ली : बुध की भोग्य दशा 4.3.2 दि

बृ 21:56	के 27:24	मं(व) 24:4	
			श(व) 7:35
ल 3:37 बु 2:40			
सू 15:16	च 26:39 शु 4:48	रा 27:24	



10. सप्तम भाव में बारह-भावेशों के होने का सामान्य फल पर चर्चा करें।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2009

प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

- (अ) विदेश में शिक्षा पाने का पांच ज्योतिषीय योग बताएँ।
(ब) निम्न कुण्डली का अध्ययन करके बताएं की क्या जातक विदेश में पढ़ रहा है?

जन्म तिथि : 10.10.1978, जन्म समय : 14.20 घंटे, जन्म स्थान : दिल्ली

पुरुष : सूर्य की भोग्य दशा 1व 10मा 7दि

लग्न : मकर 11:33, सूर्य : कन्या 23:8, चन्द्रमा : मकर 5:54, मंगल :

तुला 20:26, बुध : तुला 0:11, गुरु : सिंह 12:13, शुक्र : तुला 28:6,

शनि : सिंह 15:43, राहु : कन्या 3:4, केतु : मीन 3:4

- किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखे :-

- अनपत्य योग
- वित्तीय हानि
- विदेश गमन के योग
- अचल संपत्ति पाने का योग
- सुखी वैवाहिक जीवन प्राप्त करने का योग

- (अ) प्रश्न 1 में दी गई कुण्डली का द्रष्टाकोण बनाएं तथा जातक के भाई-बहन के बारे में चर्चा करें।

- 'अस्तंगत ग्रह' का अर्थ पुष्टि करें तथा बतायें की जातक को कैसे पीड़ित करते हैं?

- (अ) वैवाहिक अलगाव के पांच योग बताएँ।

- निम्न जातक का वैवाहिक जीवन पर अपना विचार प्रस्तुत करें।

जन्म तिथि : 29.12.1942, जन्म समय : 17.45 घंटे,

जन्म स्थान : अमृतसर, सूर्य की भोग्य दशा : 4.9.18

		श(व)13:51	ल 17:10 बृ(व) 28:49
के 3:00			
			च 29:21 रा 3:00
सू 14:6 बु 29:49 शु 24:30	म 16:40		

		श(व)13:51	
च 29:21 रा 3:00	4 5	ल 17:10 बृ(व) 28:49	2 1
	3 6 9		
7 8	सू 14:6 बु 29:49 शु 24:30	10 11	के 3:00
	म 16:40		

5. प्रश्न 4 के जातक के व्यवसाय पर व्याख्या करें।

भाग-II (मेदनीय ज्योतिष एवं मौसम विज्ञान)

6. (अ) "सूर्यवीथि" का तात्पर्य क्या है?

(ब) सन् 2009 में सूर्य का आर्द्रा प्रवेश की कुण्डली बनाए।

(स) प्रश्न 6(ब) में बनाए आर्द्रा प्रवेश कुण्डली के आधार पर बताए उसको मेदनीय ज्योतिष में कैसे प्रयोग करेंगे?

7. "सप्रनाडी चक्र" पर प्रकाश डालते हुए सन् 2009 में वर्षा के प्रभाव बताएँ।

8. किन्हीं दो का ज्योतिषीय तथ्य बनाएँ

(अ) सोने के भाव में उतार-चढ़ाव

(ब) भूकंप

(स) बाढ़

(द) सूखे का योग

9. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखें :-

(अ) यात्रा में सड़क दुर्घटना

(ब) संघाट्ट चक्र

(स) महामारी का प्रकोप

(द) अतिवर्षा होने का योग

10. कूर्म चक्र के बारे में बताते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।